Dan

Chapter 6

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

שְׁפַר֙	भला-लगा	H8232
קֳדָ֣ם	के-सामने	H6925
דָרְיָ֔וֶשׁ	दारा-यावेश	H1868
וַהֲקִים֙	और-ठहराया	H6966
עַל־	पर	H5922
מַלְכוּתָ֔א	राज्य	H4437
לַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּ֖א	सूबेदारों-को	H0324
מְאָ֣ה	सौ	H3969
וְעֶשְׂרִ֑ין	और-बीस	H6243
דִּ֥י	जो	H1768
לֶהֱוֺ֖ן	हों	H1934
בְּכָל־	में-सारी	H3606
מַלְכוּתָֽא׃	राज्य	H4437

दारा के मन में विचार आया कि कितना अच्छा रहे यदि एक सौ बीस प्रांत—अधिपतियों के द्वारा समूचे राज्य की हुकूमत को चलाया जाये

2

וְעֵ֤לָּא	और-ऊपर	H5924
מִנְּהוֹן֙	उनसे	H4481
סָרְכִ֣ין	अध्यक्ष	H5632
תְּלָתָ֔א	तीन	H8532
דִּ֥י	जिन-में	H1768
דָנִיֵּ֖אל	दानिय्येल	H1841
חַד־	एक	H2298
מִנְּהֹ֑ון	उनमें-से	H4481
דִּֽי־	जिससे	H1768
לֶהֱוֺ֞ן	हों	H1934
אֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּ֣א	सूबेदार	H0324
אִלֵּ֗ין	ये	H0459
יָהֲבִ֤ין	देते-थे	H3052
לְהוֹן֙	उनको	
טַעְמָ֔א	हिसाब	H2941
וּמַלְכָּ֖א	और-राजा	H4430
לָֽא־	नहीं	H3809
לֶהֱוֵ֥א	हो	H1934
נָזִֽק׃	हानि-उठाए	H5142

और इसके लिये उसने उन एक सौ बीस प्रांत—अधिपतियों के ऊपर शासन करने के लिये तीन व्यक्तियों को अधिकारी नियुक्त कर दिया। इन तीनों देख—रेख करने वालों में एक था दानिय्येल। इन तीन व्यक्तियों की नियुक्ति राजा ने इसलिये की थी कि कोई उसके साथ छल न कर पाये और उसके राज्य की कोई भी हानि न हो।

3

אֱדַ֙יִן֙	तब	H0116
דָּנִיֵּ֣אל	दानिय्येल	H1841
דְּנָ֔ה	यह	H1836
הֲוָ֣א	था	H1934
מִתְנַצַּ֔ח	उत्कृष्ट-था	H5330
עַל־	पर	H5922
סָרְכַיָּ֖א	अध्यक्षों	H5632
וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּ֑א	और-सूबेदारों	H0324
כָּל־	सब-के	H3606
קֳבֵ֗ל	कारण	H6903
דִּ֣י	जो	H1768
ר֤וּחַ	आत्मा	H7308
יַתִּירָא֙	उत्तम	H3493
בֵּ֔הּ	उस-में-थी	
וּמַלְכָּ֣א	और-राजा	H4430
עֲשִׁ֔ית	सोच-रहा-था	H6246
לַהֲקָמוּתֵ֖הּ	उसे-ठहराने-को	H6966
עַל־	पर	H5922
כָּל־	सारी	H3606
מַלְכוּתָֽא׃	राज्य	H4437

दानिय्येल ने यह कर दिखाया कि वह दूसरे पर्यवेक्षकों से अधिक उत्तम है। दानिय्येल ने यह काम अपने अच्छे चरित्र और बड़ी योग्यताओं के द्वारा सम्पन्न किया। राजा दानिय्येल से इतना अधिक प्रभावित हुआ कि उसने दानिय्येल को सारी हुकूमत का हाकिम बनाने की सोची।

4

אֱדַ֨יִן	तब	H0116
סָרְכַיָּ֜א	अध्यक्ष	H5632
וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּ֗א	और-सूबेदार	H0324
הֲו֨וֹ	थे	H1934
בָעַ֨יִן	ढूंढ़-रहे-थे	H1156
עִלָּ֜ה	कारण	H5931
לְהַשְׁכָּחָ֥ה	पाने-के-लिए	H7912
לְדָנִיֵּ֖אל	दानिय्येल-के-विरुद्ध	H1841
מִצַּ֣ד	पक्ष-से	H6655
מַלְכוּתָ֑א	राज्य-के	H4437
וְכָל־	और-सब	H3606
עִלָּ֣ה	कारण	H5931
וּשְׁחִיתָ֗ה	और-भ्रष्टाचार	H7844
לָא־	नहीं	H3809
יָכְלִ֤ין	समर्थ-थे	H3202
לְהַשְׁכָּחָה֙	पाने-को	H7912
כָּל־	सब-के	H3606
קֳבֵל֙	कारण	H6903
דִּֽי־	जो	H1768
מְהֵימַ֣ן	विश्वासयोग्य	H0540
ה֔וּא	था	H1932
וְכָל־	और-सब	H3606
שָׁלוּ֙	त्रुटि	H7960
וּשְׁחִיתָ֔ה	और-भ्रष्टाचार	H7844
לָ֥א	नहीं	H3809
הִשְׁתְּכַ֖חַת	पाई-गई	H7912
עֲלֽוֹהִי׃	उस-पर	H5922

किन्तु जब दूसरे पर्यवेक्षकों और प्रांत—अधिपतियों ने इसके बारे में सुना तो उन्हें दानिय्येल से ईर्ष्या होने लगी। वे दानिय्येल को कोसने के लिये कारण ढूँढने का जतन करने लगे। सो जब दानिय्येल सरकारी कामकाज से कहीं बाहर जाता तो वे उसके द्वारा किये गये कामों पर नज़र रखने लगे। किन्तु फिर भी वे दानिय्येल में कोई दोष नहीं ढूँढ़ पाये।सो वे उस पर कोई गलत काम करने का दोष नहीं लगा सके। दानिय्येल बहुत ईमानदार और भरोसेमंद व्यक्ति था। उसने राजा के साथ कभी कोई छल नहीं किया।वह कठिन परिश्रमी था।

5

אֱדַ֫יִן	तब	H0116
גֻּבְרַיָּ֣א	पुरुष	H1400
אִלֵּ֔ךְ	वे	H0479
אָֽמְרִ֔ין	कह-रहे-थे	H0560
דִּ֣י	कि	H1768
לָ֧א	नहीं	H3809
נְהַשְׁכַּ֛ח	हम-पाएंगे	H7912
לְדָנִיֵּ֥אל	दानिय्येल-के-विरुद्ध	H1841
דְּנָ֖ה	यह	H1836
כָּל־	कोई	H3606
עִלָּ֑א	कारण	H5931
לָהֵ֗ן	जब-तक-नहीं	H3861
הַשְׁכַּ֥חְנָה	हम-पाएं	H7912
עֲל֖וֹהִי	उस-पर	H5922
בְּדָ֥ת	में-व्यवस्था	H1882
אֱלָהֵֽהּ׃	उसके-एलोहा-की	H0426
ס	।	

> आखिरकार उन लोगों ने कहा, “दानिय्येल पर कोई बुरा काम करने का दोष लगाने की कोई वजह हम कभी नहीं ढूँढ़ पायेंगे। इसलिये हमें शिकायत के लिये कोई ऐसी बात ढूँढ़नी चाहिये जो उसके परमेश्वर के नियमों से सम्बंध रखती हो।”

6

אֱדַ֫יִן	तब	H0116
סָרְכַיָּ֤א	अध्यक्ष	H5632
וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא֙	और-सूबेदार	H0324
אִלֵּ֔ן	वे	H0459
הַרְגִּ֖שׁוּ	दौड़े	H7284
עַל־	पर	H5922
מַלְכָּ֑א	राजा	H4430
וְכֵן֙	और-ऐसा	H3652
אָמְרִ֣ין	कह-रहे-थे	H0560
לֵ֔הּ	उसे	
דָּרְיָ֥וֶשׁ	दारा-यावेश	H1868
מַלְכָּ֖א	राजा	H4430
לְעָלְמִ֥ין	सदा-के-लिए	H5957
חֱיִֽי׃	जी	H2418

> सो वे दोनों पर्यवेक्षक और वे प्रांत—अधिपति टोली बना कर राजा के पास गये। उन्होंने कहा, “हे राजा दारा, तुम अमर रहो!

7

אִתְיָעַ֜טוּ	मन्त्रणा-की	
כֹּ֣ל	सब	H3606
סָרְכֵ֣י	अध्यक्षों-ने	H5632
מַלְכוּתָ֗א	राज्य-के	H4437
סִגְנַיָּ֤א	हाकिमों	H5460
וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא֙	और-सूबेदारों	H0324
הַדָּֽבְרַיָּ֣א	मन्त्रियों	H1907
וּפַחֲוָתָ֔א	और-राज्यपालों-ने	H6347
לְקַיָּמָ֤ה	स्थापित-करने-को	H6966
קְיָם֙	नियम	H7010
מַלְכָּ֔א	राजा-का	H4430
וּלְתַקָּפָ֖ה	और-दृढ़-करने-को	H8631
אֱסָ֑ר	बन्धन	H0633
דִּ֣י	कि	H1768
כָל־	सब	H3606
דִּי־	जो	H1768
יִבְעֵ֣ה	मांगे	H1156
בָ֠עוּ	मांग	H1159
מִן־	से	H4481
כָּל־	किसी	H3606
אֱלָ֨הּ	देवता	H0426
וֶאֱנָ֜שׁ	या-मनुष्य	H0606
עַד־	तक	H5705
יוֹמִ֣ין	दिनों	H3118
תְּלָתִ֗ין	तीस	H8533
לָהֵן֙	सिवाय	H3861
מִנָּ֣ךְ	तुझसे	H4481
מַלְכָּ֔א	राजा	H4430
יִתְרְמֵ֕א	डाला-जाएगा	H7412
לְגֹ֖ב	में-गुफा	H1358
אַרְיָוָתָֽא׃	सिंहों-के	H0744

> हम सभी पर्यवेक्षक, हाकिम, प्रांत—अधिपति, मंत्री और राज्यपाल किसी एक बात पर सहमत हैं। हमारा विचार है कि राजा को यह नियम बना देना चाहिये और हर व्यक्ति को इस नियम का पालन करना चाहिये। वह नियम यह हैं: यदि अगले तीस दिनों तक कोई भी व्यक्ति हे राजा, आपको छोड़ किसी और देवता या व्यक्ति की प्रार्थना करे तो उस व्यक्ति को शेरों की माँद में डाल दिया जाये।

8

כְּעַ֣ן	अब	H3705
מַלְכָּ֗א	राजा	H4430
תְּקִ֥ים	स्थापित-कर	H6966
אֱסָרָ֖א	बन्धन-को	H0633
וְתִרְשֻׁ֣ם	और-लिख-दे	H7560
כְּתָבָ֑א	लेख	H3792
דִּ֣י	जो	H1768
לָ֣א	नहीं	H3809
לְהַשְׁנָיָ֔ה	बदलने-के-लिए	H8133
כְּדָת־	के-अनुसार-व्यवस्था	H1882
מָדַ֥י	मादी-की	H4076
וּפָרַ֖ס	और-पारस-की	H6540
דִּי־	जो	H1768
לָ֥א	नहीं	H3809
תֶעְדֵּֽא׃	टलती	H5709

> अब हे राजा! जिस कागज पर यह नियम लिखा है, तुम उस पर हस्ताक्षर कर दो। इस तरह से यह नियम कभी बदला नहीं जा सकेगा। क्योंकि मीदियों और फ़ारसियों के नियम न तो बदले जा सकते हैं और न ही मिटाए जा सकते हैं।”

9

כָּל־	सब-के	H3606
קֳבֵ֣ל	कारण	H6903
דְּנָ֔ה	यह	H1836
מַלְכָּא֙	राजा	H4430
דָּרְיָ֣וֶשׁ	दारा-यावेश-ने	H1868
רְשַׁ֥ם	लिखा	H7560
כְּתָבָ֖א	लेख	H3792
וֶאֱסָרָֽא׃	और-बन्धन	H0633

> सो राजा दारा ने यह नियम बना कर उस पर हस्ताक्षर किये।

10

וְדָנִיֵּאל	כְּדִי	יְדַע	דִּי־	רְשִׁים	כְּתָבָא	עַל	לְבַיְתֵהּ	וְכַוִּין	פְּתִיחָן
और-दानिय्येल	जब	जाना	कि	लिखा-गया-है	लेख	गया	में-अपने-घर	और-खिड़कियां	खुली-थीं
H1841	H1768	H3046	H1768	H7560	H3792	H5954	H1005	H3551	H6606

לֵהּ	בְּעִלִּיתֵהּ	נֶגֶד	יְרוּשְׁלֶם	וְזִמְנִין	תְּלָתָה	בְיוֹמָא	הוּא	בָּרֵךְ	עַל־
उसके-लिए	अपनी-अटारी-में	की-ओर	यरूशलेम	और-समयों	तीन	में-दिन	वह	घुटने-टेकता-था	पर
	H5952	H5049	H3390	H2166	H8532	H3118	H1932	H1289	H5922

בִּרְכוֹהִי	וּמְצַלֵּא	וּמוֹדֵא	קֳדָם	אֱלָהֵהּ	כָּל־	קֳבֵל	דִּי־	הֲוָא
अपने-घुटनों	और-प्रार्थना-करता-था	और-धन्यवाद-करता-था	के-सामने	अपने-एलोहा	सब-के	कारण	जो	वह-था
H1291	H6739	H3029	H6925	H0426	H3606	H6903	H1768	H1934

עָבֵד	מִן־	קַדְמַת	דְּנָה:	ס
करता	से	पहले	यह	।
H5648	H4481	H6928	H1836	

> दानिय्येल तो सदा ही प्रतिदिन तीन बार परमेश्वर से प्रार्थना किया करता था। हर दिन तीन बार दानिय्येल अपने घुटनों के बल झुक कर अपने परमेश्वर की प्रार्थना करता और उसका गुणगान करता था। दानिय्येल ने जब इस नये नियम के बारे में सुना तो वह अपने घर चला गया । दानिय्येल अपने मकान की छत के ऊपर, अपने कमरे में चला गया। दानिय्येल उन खिड़कियों के पास गया जो यरूशलम की ओर खुलती थीं। फिर वह अपने घटनों के बल झुका जैसे सदा किया करता था, उसने वैसे ही प्रार्थना की।

11

אֱדַיִן	גֻּבְרַיָּא	אִלֵּךְ	הַרְגִּשׁוּ	וְהַשְׁכַּחוּ	לְדָנִיֵּאל	בָּעֵא	וּמִתְחַנַּן	קֳדָם
तब	पुरुष	वे	दौड़े	और-पाया	दानिय्येल-को	मांगता-हुआ	और-विनती-करता-हुआ	के-सामने
H0116	H1400	H0479	H7284	H7912	H1841	H1156	H2604	H6925

אֱלָהֵהּ:
अपने-एलोहा
H0426

> फिर वे लोग झुण्ड बना कर दानिय्येल के यहाँ जा पहुँचे। वहाँ उन्होंने दानिय्येल को प्रार्थना करते और परमेश्वर से दया माँगते पाया।

12

בֵּאדַיִן	קְרִבוּ	וְאָמְרִין	קֳדָם־	מַלְכָּא	עַל־	אֱסָר	מַלְכָּא	הֲלָא	אֱסָר	רְשַׁמְתָּ
तब	आए	और-कहा	के-सामने	राजा	के-बारे-में	बन्धन	राजा-के	क्या-नहीं	बन्धन	लिखा-था-तूने
H0116	H7127	H0560	H6925	H4430	H5922	H0633	H4430	H3809	H0633	H7560

דִּי	כָל־	אֱנָשׁ	דִּי־	יִבְעֵה	מִן־	כָּל־	אֱלָהּ	וֶאֱנָשׁ	עַד־	יוֹמִין	תְּלָתִין	לָהֵן
कि	सब	मनुष्य	जो	मांगे	से	किसी	देवता	या-मनुष्य	तक	दिनों	तीस	सिवाय
H1768	H3606	H0606	H1768	H1156	H4481	H3606	H0426	H0606	H5705	H3118	H8533	H3861

מִנָּךְ	מַלְכָּא	יִתְרְמֵא	לְגֹב	אַרְיָוָתָא	עָנֵה	מַלְכָּא	וְאָמַר	יַצִּיבָא	מִלְּתָא	כְּדָת־
तुझसे	राजा	डाला-जाएगा	में-गुफा	सिंहों-के	बोला	राजा-ने	और-कहा	सच्ची-है	बात	के-अनुसार-व्यवस्था
H4481	H4430	H7412	H1358	H0744	H6032	H4430	H0560	H3330	H4406	H1882

מָדַי־	וּפָרַס	דִּי־	לָא	תֶעְדֵּא:
मादी-की	और-पारस-की	जो	नहीं	टलती
H4076	H6540	H1768	H3809	H5709

> बस फिर क्या था। वे लोग राजा के पास जा पहुँचे और उन्होंने राजा से उस नियम के बारे में बात की जो उसने बनाया था। उन्होंने कहा, “हे राजा दारा, आपने एक नियम बनाया है। जिसके अनुसार अगले तीस दिनों तक यदि कोई व्यक्ति किसी देवता से अथवा तेरे अतिरिक्त किसी व्यक्ति से प्रार्थना करता है तो, राजन, उसे शेरों की माँद में फेंकवा दिया जायेगा। बताइये क्या आपने इस नियम पर हस्ताक्षर नहीं किये थे” राजा ने उत्तर दिया, “हाँ, मैंने उस नियम पर हस्ताक्षर किये थे और मादियों और फारसियों के नियम अटल होते हैं। न तो वे बदले जा सकते हैं, और न ही मिटाये जा सकते हैं।”

13 בֵּאדַיִן עֲנוֹ וְאָמְרִין קֳדָם מַלְכָּא דִּי דָנִיֵּאל דִּי מִן־ בְּנֵי גָלוּתָא דִּי
तब बोले और-कहा के-सामने राजा कि दानिय्येल जो से बनी बन्धुवाई-के जो
H0116 H6032 H0560 H6925 H4430 H1768 H1841 H1768 H4481 H1123 H1547 H1768

יְהוּד לָא־ שָׂם [עליך] (עֲלָךְ) מַלְכָּא טְעֵם וְעַל־ אֱסָרָא דִּי רְשַׁמְתָּ וְזִמְנִין
यहूदा नहीं रखा [तुझ-पर] (तुझ-पर) राजा ध्यान और-पर बन्धन जो तूने-लिखा-है और-समयों
H3061 H3809 H7761 H5922 H5921 H4430 H2942 H5922 H0633 H1768 H7560 H2166

תְּלָתָה בְּיוֹמָא בָּעֵא בָּעוּתֵהּ׃
तीन में-दिन मांगता-है अपनी-मांग
H8532 H3118 H1156 H1159

इस पर उन लोगों ने राजा से कहा, “दानिय्येल नाम का वह व्यक्ति आपकी बात पर ध्यान नहीं दे रहा है। दानिय्येल यहूदा के बन्दियों में से एक हैं। जिस नियम पर आपने हस्ताक्षर किये हैं, दानिय्येल उस पर ध्यान नहीं दे रहा है। दानिय्येल अभी भी हर दिन तीन बार अपने परमेश्वर की प्रार्थना करता है।”

14 אֱדַיִן מַלְכָּא כְּדִי מִלְּתָא שְׁמַע שַׂגִּיא בְּאֵשׁ עֲלוֹהִי וְעַל דָּנִיֵּאל שָׂם בָּל
तब राजा जब बात सुना बहुत में-बुरा उस-पर और-पर दानिय्येल रखा मन
H0116 H4430 H1768 H4406 H8086 H7690 H0888 H5922 H5922 H1841 H7761 H1079

לְשֵׁיזָבוּתֵהּ וְעַד מֶעָלֵי שִׁמְשָׁא הֲוָא מִשְׁתַּדַּר לְהַצָּלוּתֵהּ׃
उसे-बचाने-के-लिए और-तक शाम सूर्यास्त-के था प्रयास-करता उसे-छुड़ाने-के-लिए
H7804 H5705 H4606 H8122 H1934 H7712 H5338

राजा ने जब सुना तो बहुत दु:खी और व्याकुल हो उठा। राजा ने दानिय्येल को बचाने की ठान ली। दानिय्येल को बचाने की कोई उपाय सोचते सोचते उसे शाम हो गयी।

15 בֵּאדַיִן גֻּבְרַיָּא אִלֵּךְ הַרְגִּשׁוּ עַל־ מַלְכָּא וְאָמְרִין לְמַלְכָּא דַּע מַלְכָּא דִּי־ דָת
तब पुरुष वे दौड़े पर राजा और-कहा से-राजा जान राजा कि व्यवस्था
H0116 H1400 H0479 H7284 H5922 H4430 H0560 H4430 H3046 H4430 H1768 H1882

לְמָדַי וּפָרַס דִּי־ כָל־ אֱסָר וּקְיָם דִּי־ מַלְכָּא יְהָקֵים לָא לְהַשְׁנָיָה׃
की-मादी-की और-पारस-की कि सब बन्धन और-नियम जो राजा स्थापित-करे नहीं बदलने-के-लिए
H4076 H6540 H1768 H3606 H0633 H7010 H1768 H4430 H6966 H3809 H8133

इसके बाद वे लोग झुण्ड बना कर राजा के पास पहुँचे। उन्होंने राजा से कहा, “हे राजन, मादियों और फ़ारसियों की व्यवस्था के अनुसार जिस नियम अथवा आदेश पर राजा हस्ताक्षर कर दे, वह न तो कभी बदला जा सकता है और न ही कभी मिटाया जा सकता है।”

16 בֵּאדַיִן מַלְכָּא אֲמַר וְהַיְתִיו לְדָנִיֵּאל וּרְמוֹ לְגֻבָּא דִּי אַרְיָוָתָא עָנֵה
तब राजा-ने आज्ञा-दी और-लाया-गया दानिय्येल-को और-डाला-गया में-गुफा जो सिंहों-का बोला
H0116 H4430 H0560 H0858 H1841 H7412 H1358 H1768 H0744 H6032

מַלְכָּא וְאָמַר לְדָנִיֵּאל אֱלָהָךְ דִּי [אנתה] (אַנְתְּ) פָּלַח־ לֵהּ בִּתְדִירָא הוּא
राजा-ने और-कहा से-दानिय्येल तेरा-एलोहा जिसकी [तू] (तू) सेवा-करता-है उसकी लगातार वह
H4430 H0560 H1841 H0426 H1768 H0607 H0607 H6399 H8411 H1932

יְשֵׁיזְבִנָּךְ׃
तुझे-छुड़ाएगा
H7804

सो राजा दारा ने आदेश दे दिया। वे लोग दानिय्येल को पकड़ लाये और उसे शेरों की मांद में फेंक दिया। राजा ने दानिय्येल से कहा, “मुझे आशा है कि तू जिस परमेश्वर की सदा उपासना करता है, वह तेरी रक्षा करेगा।”

17 וְהֵיתָיִת אֶבֶן חֲדָה וְשֻׂמַת עַל־ פֻּם גֻּבָּא וְחַתְמַהּ מַלְכָּא בְּעִזְקְתֵהּ
और-लाया-गया पत्थर एक और-रखा-गया पर मुख गुफा-के और-मुहर-लगाई राजा-ने अपनी-मुद्रिका-से
H0858 H0069 H2298 H7761 H5922 H6433 H1358 H2857 H4430 H5824

וּבְעִזְקָת רַבְרְבָנוֹהִי דִּי לָא־ תִשְׁנֵא צְבוּ בְּדָנִיֵּאל׃
और-मुद्रिका-से उसके-प्रधानों-की जिससे नहीं बदले इच्छा दानिय्येल-के-बारे-में
H5824 H7261 H1768 H3809 H8133 H6640 H1841

एक बड़ा सा पत्थर लाया गया और उसे शेरों की मांद के द्वार पर अड़ा दिया गया। फिर राजा ने अपनी अंगूठी ली और उस पत्थर पर अपनी मुहर लगा दी। साथ ही उसने अपने हाकिमों की अंगूठियों की मुहरें भी उस पत्थर पर लगा दीं। इसका यह अभिप्राय था कि उस पत्थर को कोई भी हटा नहीं सकता था और शेरों की उस माँद से दानिय्येल को बाहर नहीं ला सकता था।

18

אֱדַיִן	אֲזַל	מַלְכָּא	לְהֵיכְלֵהּ	וּבָת	טְוָת	וְדַחֲוָן	לָא־	הַנְעֵל	קָדָמוֹהִי	וְשִׁנְתֵּהּ	נַדַּת	עֲלוֹהִי׃
तब	गया	राजा	अपने-महल-में	और-रहा	उपवास-करके	और-मनोरंजन	नहीं	लाई-गई	उसके-सामने	और-उसकी-नींद	भाग-गई	उस-पर-से
H0116	H0236	H4430	H1965	H0956	H2908	H1761	H3809	H5954	H6925	H8139	H5075	H5922

> इसके बाद राजा दारा अपने महल को वापस चला गया। उस रात उसने खाना नहीं खाया। वह नहीं चाहता था कि कोई उसके पास आये और उसका मन बहलाये। राजा सारी रात सो नहीं पाया।

19

בֵּאדַיִן	מַלְכָּא	בִּשְׁפַּרְפָּרָא	יְקוּם	בְּנָגְהָא	וּבְהִתְבְּהָלָה	לְגֻבָּא	דִּי־	אַרְיָוָתָא	אֲזַל׃
तब	राजा	भोर-को	उठा	उजाले-में	और-जल्दी-में	गुफा-के-पास	जो	सिंहों-के	गया
H0116	H4430	H8238	H6966	H5053	H0927	H1358	H1768	H0744	H0236

> अगली सुबह जैसे ही सूरज का प्रकाश फैलने लगा, राजा दारा जाग गया और शेरों की माँद की ओर दौड़ा।

20

וּכְמִקְרְבֵהּ	לְגֻבָּא	לְדָנִיֵּאל	בְּקָל	עֲצִיב	זְעִק	עָנֵה	מַלְכָּא	וְאָמַר
और-जब-वह-नजदीक-आया	गुफा-के	दानिय्येल-के-लिए	आवाज-से	दुखी	चिल्लाया	बोला	राजा-ने	और-कहा
H7127	H1358	H1841	H7032	H6088	H2200	H6032	H4430	H0560

לְדָנִיֵּאל	דָּנִיֵּאל	עֲבֵד	אֱלָהָא	חַיָּא	אֱלָהָךְ	דִּי	[אנתה]	(אַנְתְּ)	פָּלַח־	לֵהּ
से-दानिय्येल	दानिय्येल	दास	एलोहा-के	जीवित	तेरा-एलोहा	जिसकी	[तू]	(तू)	सेवा-करता-है	उसकी
H1841	H1841	H5649	H0426	H2417	H0426	H1768	H0607	H0607	H6399	

בִּתְדִירָא	הַיְכִל	לְשֵׁיזָבוּתָךְ	מִן־	אַרְיָוָתָא׃
लगातार	समर्थ-हुआ-क्या	तुझे-छुड़ाने-को	से	सिंहों
H8411	H3202	H7804	H4481	H0744

> राजा बहुत चिंतित था। राजा जब शेरों की मांद के पास गया तो वहाँ उसने दानिय्येवल को ज़ोर से आवाज़ लगाई। राजा ने कहा, “हे दानिय्येल, हे जीवित परमेश्वर के सेवक, क्या तेरा परमेश्वर तुझे शेरों से बचा पाने में समर्थ हो सका है तू तो सदा ही अपने परमेश्वर की सेवा करता रहा है।”

21

אֱדַיִן	דָּנִיֵּאל	עִם־	מַלְכָּא	מַלִּל	מַלְכָּא	לְעָלְמִין	חֱיִי׃
तब	दानिय्येल-ने	साथ	राजा-के	बोला	राजा	सदा-के-लिए	जी
H0116	H1841	H5974	H4430	H4449	H4430	H5957	H2418

> दानिय्येल ने उत्तर दिया, “राजा, अमर रहे!

22

אֱלָהִי	שְׁלַח	מַלְאֲכֵהּ	וּסֲגַר	פֻּם	אַרְיָוָתָא	וְלָא	חַבְּלוּנִי	כָּל־
मेरे-एलोहा-ने	भेजा	अपना-दूत	और-बन्द-किया	मुख	सिंहों-का	और-नहीं	उन्होंने-मुझे-हानि-पहुंचाई	सब-के
H0426	H7972	H4398	H5463	H6433	H0744	H3809	H2255	H3606

קֳבֵל	דִּי	קָדָמוֹהִי	זָכוּ	הִשְׁתְּכַחַת	לִי	וְאַף	[קדמיך]	(קֳדָמָךְ)	מַלְכָּא	חֲבוּלָה
कारण	जो	उसके-सामने	निर्दोषता	पाई-गई	मुझ-में	और-भी	[तेरे-सामने]	(तेरे-सामने)	राजा	हानि
H6903	H1768	H6925	H2136	H7912		H0638	H6925	H6925	H4430	H2248

לָא	עַבְדֵת׃
नहीं	मैंने-की
H3809	H5648

> मेरे परमेश्वर ने मुझे बचाने के लिये अपना स्वर्गदुत भेजा था। उस स्वर्गदूत ने शेरों के मुँह बन्द कर दिये। शेरों ने मुझे कोई हानि नही पहुँचाई क्योंकि मेरा परमेश्वर जानता है कि मैं निरपराध हूँ। मैंने राजा के प्रति कभी कोई बुरा नही किया है।”

23 בֵּאדַ֫יִן מַלְכָּא שַׂגִּיא טְאֵב עֲל֫וֹהִי וּלְדָנִיֵּאל אֲמַר לְהַנְסָקָה מִן־ גֻּבָּא
तब राजा बहुत प्रसन्न-हुआ उस-पर और-दानिय्येल-को आज्ञा-दी निकालने-को से गुफा
H0116 H4430 H7690 H2868 H5922 H1841 H0560 H5267 H4481 H1358

וְהֻסַּק דָּנִיֵּאל מִן־ גֻּבָּא וְכָל־ חֲבָל לָא־ הִשְׁתְּכַח בֵּהּ דִּי הֵימִן
और-निकाला-गया दानिय्येल से गुफा और-सब हानि नहीं पाई-गई उस-में क्योंकि विश्वास-किया
H5267 H1841 H4481 H1358 H3606 H2257 H3809 H7912 H1768 H0540

בֵּאלָהֵהּ׃
अपने-एलोहा-में
H0426

राजा दारा बहुत प्रसन्न था। राजा ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे दानिय्येल को शेरों की माँद से बाहर खींच लें। जब दानिय्येल को शेरों की माँद से बाहर लाया गया तो उन्हें उस पर कहीं कोई घाव नहीं दिखाई दिया। शेरों ने दानिय्येल को कोई हानि नहीं पहुँचाई थी क्योंकि दानिय्येल को अपने परमेश्वर पर विश्वास था।

24 וַאֲמַר מַלְכָּא וְהַיְתִיו גֻּבְרַיָּא אִלֵּךְ דִּי־ אֲכַלוּ קַרְצוֹהִי דִּי דָנִיֵּאל
और-आज्ञा-दी राजा-ने और-लाए-गए पुरुष वे जिन्होंने खाई-थी चुगली की दानिय्येल
H0560 H4430 H0858 H1400 H0479 H1768 H0399 H7170 H1768 H1841

וּלְגֹב אַרְיָוָתָא רְמוֹ אִנּוּן בְּנֵיהוֹן וּנְשֵׁיהוֹן וְלָא־ מְטוֹ לְאַרְעִית גֻּבָּא
और-गुफा-में सिंहों-के डाले-गए वे उनके-बेटे और-उनकी-पत्नियां और-नहीं पहुंचे तले-तक गुफा-के
H1358 H0744 H7412 H1123 H5389 H3809 H4291 H0773 H1358

עַד דִּי־ שְׁלִטוּ בְהוֹן אַרְיָוָתָא וְכָל־ גַּרְמֵיהוֹן הַדִּקוּ׃
जब-तक कि झपट-पड़े उन-पर सिंहों-ने और-सब उनकी-हड्डियां चूर-दिए
H5705 H1768 H7981 H0744 H3606 H1635 H1855

इसके बाद राजा ने उन लोगों को जिन्होंने दानिय्येल पर अभियोग लगा कर उसे शेरों की माँद में डलवाया था, बुलवाने का आदेश दिया और उन लोगों को, उनकी पत्नियों को और उनके बच्चों को शेरों की माँद में फेंकवा दिया गया। इससे पहले कि वे शेरों की मांद में धरती पर गिरते, शेरों ने उन्हें दबोच लिया। शेर उनके शरीरों को खा गये और फिर उनकी हड्डियों को भी चबा गये।

25 בֵּאדַיִן דָּרְיָוֶשׁ מַלְכָּא כְּתַב לְכָל־ עַמְמַיָּא אֻמַיָּא וְלִשָּׁנַיָּא דִּי־ [דארין] (דָּיְרִין)
तब दारा-यावेश राजा-ने लिखा को-सब लोगों जातियों और-भाषाओं जो [रहते] (रहते-हैं)
H0116 H1868 H4430 H3790 H3606 H5972 H0524 H3961 H1768 H1753 H1753

בְּכָל־ אַרְעָא שְׁלָמְכוֹן יִשְׂגֵּא׃
में-सारी पृथ्वी तुम्हारी-शान्ति बढ़े
H3606 H0772 H8001 H7680

इस पर राजा दारा ने सारी धरती के लोगों, दूसरी जाति के विभिन्न भाषा बोलनेवालों को यह पत्र लिखा: शुभकामनाएँ।

26 מִן־ קֳדָמַי שִׂים טְעֵם דִּי בְּכָל־ שָׁלְטָן מַלְכוּתִי לֶהֱוֺן [זאעין] (זָיְעִין)
से मेरे-सामने रखा-गया आज्ञा कि में-सब प्रभुत्व मेरे-राज्य-के हों [कांपते] (कांपते)
H4481 H6925 H7761 H2942 H1768 H3606 H7985 H4437 H1934 H2112 H2112

וְדָחֲלִין מִן־ קֳדָם אֱלָהֵהּ דִּי דָנִיֵּאל דִּי־ הוּא אֱלָהָא חַיָּא וְקַיָּם
और-डरते से सामने उसके-एलोहा-के जो दानिय्येल-का क्योंकि वही एलोहा जीवित और-स्थिर
H1763 H4481 H6925 H0426 H1768 H1841 H1768 H1932 H0426 H2417 H7011

לְעָלְמִין וּמַלְכוּתֵהּ דִּי־ לָא תִתְחַבַּל וְשָׁלְטָנֵהּ עַד־ סוֹפָא׃
सदा-के-लिए और-उसका-राज्य जो नहीं नष्ट-होगा और-उसका-प्रभुत्व तक अन्त
H5957 H4437 H1768 H3809 H2255 H7985 H5705 H5491

मैं एक नया नियम बना रहा हूँ। मेरे राज्य के हर भाग के लोगों के लिये यह नियम होगा। तुम सभी लोगों को दानिय्येल के परमेश्वर का भय मानना चाहिये और उसका आदर करना चाहिये। दानिय्येल का परमेश्वर जीवित परमेश्वर है। परमेश्वर सदा—सदा अमर रहता है! साम्राज्य उसका कभी समाप्त नहीं होगा उसके शासन का अन्त कभी नहीं होगा

27								
מְשֵׁיזִ֣ב	וּמַצִּ֗ל	וְעָבֵד֙	אָתִ֣ין	וְתִמְהִ֔ין	בִּשְׁמַיָּ֖א	וּבְאַרְעָ֑א	דִּ֚י	שֵׁיזִ֣יב
छुड़ानेवाला	और-बचानेवाला	और-करनेवाला	चिह्न	और-आश्चर्यकर्म	में-आकाश	और-पृथ्वी-में	जिसने	छुड़ाया
H7804	H5338	H5648	H0852	H8540	H8065	H0772	H1768	H7804
לְדָֽנִיֵּ֔אל	מִן־	יַ֖ד	אַרְיָוָתָֽא׃					
दानिय्येल-को	से	हाथ	सिंहों-के					
H1841	H4481	H3028	H0744					

> परमेश्वर लोगों को बचाता है और रक्षा करता है। स्वर्ग में और धरती के ऊपर परमेश्वर अद्भुत आश्चर्यपूर्ण कर्म करता है! परमेश्वर ने दानिय्येल को शेरों से बचा लिया।

28								
וְדָנִיֵּ֣אל	דְּנָ֔ה	הַצְלַ֖ח	בְּמַלְכ֣וּת	דָּרְיָ֑וֶשׁ	וּבְמַלְכ֖וּת	כּ֥וֹרֶשׁ	[פרסיא]	(פָּרְסָאָֽה׃)
और-दानिय्येल	यह	सफल-हुआ	में-राज्य	दारा-यावेश-के	और-में-राज्य	कोरेश	[पारसी]	(पारसी-के)
H1841	H1836	H6744	H4437	H1868	H4437	H3567	H6543	H6543
פ								
।								

> इस तरह जब दारा का राजा था और जिन दिनों फारसी राजा कुस्रू की हूकुमत थी, दानिय्येल ने सफलता प्राप्त की।